अध्याय I प्रस्तावना

1.1 कम्पनी प्रोफाइल

1964 में स्थापित, भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) डिजाइन, अभियांत्रिकी, विनिर्माण, निर्माण, परीक्षण, संस्थापन तथा विद्युत ट्रांसमिशन, उद्योग, परिवहन, नवीकरणीय ऊर्जा, तेल और गैस, रक्षा इत्यादि जैसे अर्थव्यवस्था के मुख्य क्षेत्रों की उत्पादों व सेवाओं में रत भारत की एक सबसे बड़ी अभियांत्रिकी और विनिर्माण कम्पनी है। विद्युत सृजन उपकरणों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, भेल ने नीतिगत योजना अवधि (2007-12) के दौरान, ₹ 6246 करोड़ के पूंजीगत निवेश के साथ अपनी विद्युत उपकरण विनिर्माण क्षमता को प्रति वर्ष 6000 मे.वा से बढा कर चरणों में प्रति वर्ष 20000 मे.वा कर दिया था।

भेल के तीन मुख्य व्यवसाय क्षेत्र हैं नामत: (i) विद्युत (ii) उद्योग, और (iii) अन्तर्राष्ट्रीय परिचालन, जिनका मुख्य विपणन उत्तरदायित्व[1] प्रमुख सिस्टम/उत्पाद की बिक्री है। सभी तीन व्यवसाय क्षेत्रों द्वारा प्राप्त आदेश 17 विनिर्माण यूनिटों, चार क्षेत्रीय कार्यालयों, आठ सेवा केन्द्रों और 15 व्यवसायिक कार्यालयों (अनुबंध 1.1) के नेटवर्क के माध्यम से पूरे भारत और विदेश में निष्पादित किए जाते है। भेल, भारी उद्योग विभाग (डीएचआई), भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय (एमएचआई एवं पीई) के प्रशासनिक नियंत्रण के अन्तर्गत आता है।

31 मार्च 2016 तक भेल की प्रदत्त शेयर पूंजी ₹ 489.52 करोड़ थी, जिसमें से 63.06 प्रतिशत भारत सरकार (जीओआई) के पास है, 13.95 प्रतिशत विदेशी संस्थागत निवेशकों, 15.68 प्रतिशत बैंकों, वित्तीय संस्थानों और बीमा कम्पनियों तथा शेष 7.31 प्रतिशत आम जनता सहित अन्यों द्वारा धारित थी। चयनित सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों को अधिक स्वायत्ता प्रदान करने और अधिकार सौंपने की अपनी नीति के अनुरूप भारत सरकार ने फरवरी 2013 में भेल को 'महारत्न' का दर्जा दिया था।

[1] *विद्युत क्षेत्र (पीएस) देश में विद्युत संस्थाओं से आदेश प्राप्त करता है; उद्योग क्षेत्र (आईएस) देश में विभिन्न उद्योगों और क्षेत्रों जैसे परिवहन, नवीकरणीय ऊर्जा, तेल और गैस, रक्षा इत्यादि से कैप्टिव विद्युत संयंत्रो के लिए आदेश प्राप्त करता है और अन्तर्राष्ट्रीय प्रचालन (आईओ) क्षेत्र देश के बाहर से आदेश प्राप्त करता है।*

1.2 कार्यचालन परिणाम

31 मार्च 2016 को समाप्त पिछले पांच वर्षों के लिए भेल के कार्यचालन परिणाम निम्नानुसार थे:

तालिका 1.1: 31 मार्च 2016 को समाप्त पिछले पांच वर्षों के लिए भेल के कार्यचालन परिणाम:

(₹ करोड़ में)

विवरण	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16
टर्न-ओवर (सकल)	49510	50156	40338	30947	26587
कर पूर्व लाभ	10302	9432	5013	2140	-1477
कर पश्चात लाभ	7040	6615	3460	1419	-913

1.3 कॉरपोरेट योजना लक्ष्य और उपलब्धियां

भेल ने 2012-17 की अवधि कवर करते हुए अपनी 'नीतिगत योजना-2017' बनाई और 2015-16 तक का निष्पादन नीचे तालिका बद्ध है:-

तालिका 1.2: नीतिगत योजना 2012-17 लक्ष्यों के प्रति 2015-16 तक उपलब्धियां

विवरण	लक्ष्य	2015-16 तक उपलब्धियां	कमी (प्रतिशत)
2016-17 तक टर्नओवर (₹ **करोड़**)	101600	26587	73.83
2016-17[2] तक कर पूर्व लाभ (₹ **करोड़**)	18012	(-) 1477	108.20
2012-17 के दौरान नियोजित[3] पूंजी पर रिटर्न (प्रतिशत)	> 35	(-) 4.87[4]	113.91
2012-17 के दौरान भारत की उत्पादन क्षमता में योगदान (प्रतिशत)	60	46	23.33
2016-17 तक वार्षिक आर एंड डी निवेश (₹ **करोड़**)	2625	893	65.98

2015-16 तक भेल किसी भी नीतिगत योजना लक्ष्य की प्राप्ति नहीं कर सका। भेल ने नीतिगत योजना 2017 में परिकल्पित रणनीतियों के कार्यान्वयन हेतु वर्ष-वार माईलस्टोन वर्णित करने वाला कोई दस्तावेज तैयार नहीं किया।

मंत्रालय ने कहा (मई 2017) कि विभिन्न अप्रत्याशित घटनाओं जैसे कोयला ब्लाकों के रद्दीकरण, नीति संबंधी अवरोधों, नियोजित योजनाओं के कार्यान्वयन में विलम्ब, गंगा नदी पर हाइड्रो इलैक्ट्रिक परियोजनाओं पर सर्वोच्च न्यायालय की रोक इत्यादि के कारण और व्यवसायिक परिवेश में बढ़ती अस्थिरता से भेल व्यवसाय परिस्थिति के वार्षिक निर्धारण पर अधिक निर्भर रहा और तदनुसार लक्ष्य निर्धारित करता था जिन्हें एमओयू कार्य बल द्वारा भी स्वीकार किया गया था। एग्जिट कान्फ्रेंस के बाद, प्रबन्धन ने यह कहते हुए अतिरिक्त सूचना प्रदान की थी (जून 2017) कि संयुक्त

[2] 2010-11 का कर पूर्व लाभ का दोगुना (₹ 9005.67 करोड़)

[3] नियोजित पूंजी पर रिटर्न = सकल लाभ/नियोजित पूंजी x100

[4] अवधि के दौरान नियोजित पूंजी पर रिटर्न: 32.78 प्रतिशत (2012-13), 15.53 प्रतिशत (2013-14), 7.10 प्रतिशत (2014-15) और (-)4.87 प्रतिशत (2015-16)

प्रयास और संवर्धित उत्पादन के साथ तीव्रतर निष्पादन के परिणामस्वरूप वर्ष 2016-17 में निष्पादन में महत्वपूर्ण सुधार हुआ और यह कि कम्पनी ने 2015-16 में ₹1164 करोड़ (इंड-एएस समायोजित) की हानि के प्रति ₹ 628 करोड़ का कर पूर्व लाभ प्राप्त किया है।

तथापि, भेल ने सामान्य बाजार परिदृश्य के भाग के रूप में उतार चढाव से निपटने के लिए नीतियां गठित नहीं की। 2014-15 और 2015-16 के वर्षों के लिए वास्तविक टर्नओवर वार्षिक बजटीय लक्ष्यों से क्रमश: 32.13 प्रतिशत और 19.43 प्रतिशत तक कम था।

1.4 संगठनात्मक ढांचा

भेल का प्रबन्धन, 16 सदस्यीय निदेशक बोर्ड से किया जाता है जिसमें छ: पूर्णकालिक कार्यकारी निदेशकों[5] सहित अध्यक्ष और प्रबंधन निदेशक (सीएमडी), दो अशंकालिक अधिकारिक निदेशक और आठ अंशकालिक गैर अधिकारिक (स्वतंत्र) निदेशक निहित है। लेखापरीक्षा ने पाया कि निष्पादन लेखापरीक्षा में कवर अवधि के दौरान, निदेशक (विद्युत), निदेशक (अभियांत्रिकी, आर एण्ड डी), निदेशक (आईएसएडंपी) और निदेशक (वित्त) का कार्यभार दो से 20 महीनों के लिए अन्य कार्यकारी निदेशकों के पास रहा। इसके अलावा, सूचीबद्ध विनियमों और डीपीई दिशानिर्देशों के तहत बोर्ड पर आठ स्वतंत्र निदेशकों को रखने की आवश्यकता के विपरीत निष्पादन लेखापरीक्षा में कवर अवधि के दौरान भेल में छ: से अधिक स्वतंत्र निदेशक नहीं थे जून 2012 से दिसम्बर 2015 तक केवल दो या तीन स्वतंत्र निदेशक थे।

मंत्रालय ने कहा (मई 2017) कि भेल बोर्ड पर स्वतंत्र निदेशकों की अपेक्षित संख्या की नियुक्ति के लिए डीएचआई के साथ लगातार सम्पर्क में था।

[5] ***निदेशक (वित्त), निदेशक (मानव संसाधन), निदेशक (औद्योगिक प्रणाली एवं उत्पाद), निदेशक (विद्युत) और निदेशक (इंजीनियंरिग अनुसंधान एवं विकास)।***